अंतरराष्ट्रीय पारिवारिक प्रेषण दिवस

भूमिका :- अंतरराष्ट्रीय पारिवारिक प्रेषण दिवस 16 जून को मनाया जाता है। यह दिवस उन प्रवासियों के प्रयासों पर प्रकाश डालने और मान्यता प्रदान करने के लिए मनाया जाता है जो विदेश में रह रहे हैं और अपने परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कमा रहे हैं।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- वर्ष 2015 में पहली बार परिवार दिवस का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय पारिवारिक प्रेषण दिवस 2020 का विषय "Building Resilience in times of Crisis" है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संकल्प ए/आरईएस/72/281 के माध्यम से इस दिन को अपनाया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट है कि आधे से अधिक प्रेषण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवाहित होते हैं, जहां भूख और गरीबी ज्यादातर केंद्रित हैं और जहां प्रेषण सबसे अधिक जीवन है।
- दिन का उद्देश्य लाखों घरों, समुदायों, देशों और पूरे क्षेत्रों में योगदान के प्रभाव को पहचानना और अधिक ध्यान देना है।
- इस दिन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमित प्रवासन (उद्देश्य 10) के लिए वैश्विक-स्वीकृत ग्लोबल कॉम्पैक्ट के कार्यान्वयन के लिए प्राथमिक पहलों में से एक के रूप में शामिल किया गया है।
- इसके अलावा, दिन सतत विकास और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए 2030 एजेंडा को भी आगे बढ़ाता है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

भूमिका :- विश्व बुजुर्ग दुरुपयोग जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया गया, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में लोगों को प्रोत्साहित करने और वृद्ध व्यक्तियों की भलाई और स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक ध्यान देना है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- विश्व बुजुर्ग दुरुपयोग जागरूकता दिवस 2020 का विषय "Lifting Up Voices" है।
- इस दिन का उपयोग सांस्कृतिक, जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सामाजिक प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में

किया जाता है जो लड़कों को प्रभावित करते हैं और उनके दुरुपयोग और उपेक्षा का नेतृत्व करते हैं।

- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 60 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों की संख्या में 98% की वृद्धि का अनुमान है, जो कि 2019 से 2030 के बीच 1 बिलियन से 1.4 बिलियन है।
- वृद्ध व्यक्तियों की संख्या युवाओं की आबादी को पार कर जाएगी और तेजी से विकसित दुनिया में देखा जाएगा।
- विकासशील और विकसित दोनों देशों में बुजुर्ग दुरुपयोग का मुद्दा मौजूद है, लेकिन अभी भी दुनिया भर में इसे रेखांकित किया जा रहा है।
- इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवा क्षेत्रों को समस्या की पहचान के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित किया जाए, ताकि स्वास्थ्य और सामाजिक दोनों दृष्टिकोण से समस्या का निदान और पता किया जा सके।

विश्व मरुस्थलीयकरण व सूखा रोकथाम दिवस

भूमिका:- प्रतिवर्ष 17 जून को विश्व मरुस्थलीयकरण व सूखा रोकथाम दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार मरुस्थलीयकरण से अभिप्राय शुष्क तथा अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र में भूमि के निम्नीकरण से है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु:-

- विश्व मरुस्थलीयकरण तथा सूखा रोकथाम दिवस की घोषणा 30 जनवरी, 1995 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव A/RES/49/115 के द्वारा की गयी थी।
- इस दिवस का उद्देश्य लोगों में मरुस्थलीयकरण तथा सूखे के बारे में जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार प्रतिवर्ष 24 हजार वर्ग उपजाऊ भूमि शुष्क हो रही है, शुष्क क्षेत्र निम्नीकरण के कारण विकासशील देशों के राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में 8% की कमी आ रही है।
- भारत सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए कई योजनाये चलायी जा रही है- पर ड्रॉप मोर क्रॉप, साइल हेल्थ कार्ड स्कीम तथा किसानों के लिए नीम कोटेड यूरिया, इससे कृषि योग्य भूमि में विस्तार होगा।
- पिछले 5 वर्षों मे भारत के वन क्षेत्र मे वृद्धि हुई है। भारत सरकार किसानों के कल्याण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

UNCTAD ने विश्व निवेश रिपोर्ट जारी

भूमिका :- हाल ही में 16 जून, 2020 को व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने अपनी विश्व निवेश रिपोर्ट, 2020 जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2019 में FDI का 9वाँ सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता था।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- इस रिपोर्ट के अनुसार, 2018 में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 42 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2019 में 51 बिलियन डालर हो गया है। एशिया के क्षेत्र में भारत शीर्ष 5 देशों में शामिल था।
- रिपोर्ट के अनुसार भारत के डिजिटल क्षेत्र में निवेश अत्यधिक आशाजनक था। 2020 की पहली तिमाही में भारत के निवेशकों ने 660 मिलियन डालर मूल्य के सौदे किए और अधिकांश सौदे डिजिटल क्षेत्र में हुए।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 की तुलना में 2020 में वैश्विक एफडीआई प्रवाह में 40% की कमी आ सकती है।
- वर्ष 2005 के बाद से यह पहला मौका है, जब वैश्विक एफडीआई 1 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर के निशान से नीचे है।
- एशिया में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2020 में 45% तक की गिर सकता है।
- दक्षिण एशिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 10% की वृद्धि हुई है। निवेश में वृद्धि मोटे तौर पर भारत की वृद्धि से प्रेरित थी।

•BY :- Pankaj Bodiya.